ओ म्हारा गजानंद सरकार पधारो कीर्तन के माहीं

(तर्ज: थारी नगरी में सांवरिया....)

ओ म्हारा गजानंद सरकार पधारो कीर्तन के माहीं
कीर्तन के माहीं पधारो कीर्तन के माहीं

प्रथम न्योतो म्हे भिजवायो,
बिन थारे म्हारो जी भरमायो,
क्या में अटक्या समझ ना पायो,
रंग बरसाओ थे ही देवा, बिच सभा माहीं

आवण की थे करल्यो त्यारी,
मूसे की कर के असवारी,
लीला आज दिखाद्यो थारी,
कीर्तन की सब हुई तैयारी, ले लो थे राहीं

देवी देव सब राह निहारे,
शिव शंकर के लाल दुलारे,
पार्वती के आँख के तारे,
कृपा की बरसात करो थे, देर करो नाहीं

देखो देव दया बरसावै,

कीर्तन माहीं रंग जमावै ,
देवी देवता सब हरषावै ,
'देवकीनंदन' शरण आपकी , चरणां के माहीं

Source:
https://www.bharattemples.com/o-mahara-gajanand-sarkar-padharo-kirtan-ke-maahi/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw